हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार, 28 जुलाई 2025

11 जसोरखेड़ी में सुनी पीएम के मन की बात

12 ब्रह्माकुमारियों ने सेक्टर-2 में मनाई तीज

खबर संक्षेप

कार की चपेट में आने से किसान घायल

बहादुरगढ़। केएमपी पर आसौदा टोल के पास कार की चपेट में आने से एक किसान घायल हो गया। उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल की पहचान नरेंद्र के रूप में हुई है। नरेंद्र का कहना है कि केएमपी टोल के निकट उनके खेत हैं। वह खेत में काम करने गया था। काम निपटाने के बाद रात करीब 9 बजे घर की ओर चल दिया। कुछ दूर आगे बढ़ा ही था कि मानेसर की तरफ से एक कार आई और सीधी टक्कर मार दी। कार चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने मुझको अस्पताल में भर्ती कराया। उधर, सूचना पाकर आसौदा थाने से पुलिस अस्पताल में पहुंची और उसके बयान लिए। बयान के आधार पर अज्ञात गाड़ी चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

दुल्हेड़ा में ट्रकों की बैट्रियां चोरी, केस

बहादुरगढ़। ग्रामीण क्षेत्र में भी घरों के बाहर खड़े वाहन चोरों के निशाने पर हैं। कहीं वाहन चुराए जा रहे हैं तो कहीं उनके पार्ट्स निकाले जा रहे हैं। अब गांव दुल्हेड़ा में एक ट्रांसपोर्टर की तीन गाड़ियों को निशाना बना लिया गया। उसके तीनों ट्रकों से छह बैट्रियां चुराई गई हैं। जब गाड़ी स्टार्ट नहीं हुई तो उन्हें वारदात का पता चला। ट्रांसपोर्टर सुनील के साथ यह वारदात हुई है। शिकायत पर बादली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कबाड़ी मार्केट में सीवर ओवरफ्लो, परेशानी

बहादुरगढ़। शहर की कबाड़ी मार्केट में पशु अस्पताल के सामने गली में सीवरेज व्यवस्था ठप है। स्थानीय निवासी अनिल टुटेजा, हरीश टुटेजा, भावुक टुटेजा, शीला, मोना टुटेजा, रेखा, शारदा, कमलेश, कैलाश व यशपाल हिंदुस्तानी ने बताया कि एक महीने से कॉलोनी में सीवरेज व्यवस्था ठप है। गली में गंदा पानी बनने से हालात खराब हो गए हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत 13 सितंबर को

झज्जर। आगामी 13 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन झज्जर एवं बहादुरगढ़ न्यायिक परिसर में किया जाएगा। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम विशाल ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर एडीआर सेंटर में हेल्प डेस्क भी स्थापित किया गया है। जिसमें कोर्ट परिसर में आने जाने वाले लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जागरूक किया जा रहा है । उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए विभिन्न बैंकों, सरकारी विभागों इत्यादि के उच्चाधिकारियों के साथ सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास किया गया।

सीईटी : दूसरे दिन 6942 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

■ चार सत्रों में शांतिपूर्ण संपन्न हुई परीक्षा, 13866 परीक्षार्थी हुए शामिल, 910 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित सीईटी परीक्षा रविवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुई। दो दिनों में आयोजित चार सत्रों की इस परीक्षा में जिले में 13 हजार 866 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए विशेष रूप से रोडवेज बस सेवा चलाई गई, जिससे दो दिनों में 23 हजार 336 अभ्यर्थियों को दूसरे जिलों में स्थित अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में सहूलियत मिली। जिले में सात स्थानों से बस सेवा विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध रही। वहीं, दूसरे जिलों से झज्जर में परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों के लिए बस स्टैंड से परीक्षा केंद्रों तक शटल सेवा उपलब्ध रही जिनका हजारों विद्यार्थियों ने लाभ उठाया।वहीं शनिवार को पहली शिफ्ट में 3 हजार 461 व दूसरी शिफ्ट में 3 हजार 463 परीक्षार्थियों ने 14 केंद्रों पर परीक्षा दी। पहली शिफ्ट में 233 व दूसरी शिफ्ट में 231 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दोनों शिफ्टों में कुल 6 हजार 924 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। वहीं, रविवार को आयोजित पहली शिफ्ट में 3 हजार 468 व दूसरी शिफ्ट में 3 हजार 474 अभ्यर्थियों ने 14 केंद्रों पर परीक्षा दी। पहली शिफ्ट में 225 व दूसरी शिफ्ट में 221 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। दोनों शिफ्टों में कुल 446 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। दो दिनों में आयोजित हुए चारों शिफ्ट में कुल 13 हजार 866 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। चारों शिफ्टों में 910 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

■ दिनभर अलर्ट मोड पर रहे जिले वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी

झज्जर। जिले के एक परीक्षा केंद्र के बाहर कतारबद्ध खड़े परीक्षार्थी व सेंटर के बाहर मुस्तैद खड़े पुलिस अधिकारी।

झज्जर। परीक्षा केंद्र के बाहर दस्तावेजों की जांच करते हुए पुलिसकर्मी।

देरी से बस अड्डे पहुंचे तीन अभ्यर्थी फरीदाबाद के लिए भेजी स्पेशल बस

सीईटी परीक्षा के दौरान बस स्टैंड पर रविवार को जब तीन अभ्यर्थी सुबह करीब 6 बजे परीक्षा केंद्र फरीदाबाद के लिए निर्धारित बसों के निकल जाने के बाद पहुंचे। देरी के कारण वे घबराए हुए थे और परीक्षा छूटने की आशंका से चिंतित थे। इस स्थिति में तुरंत एक स्पेशल बस की व्यवस्था की और तीनों परीक्षार्थियों को सुरक्षित समय पर फरीदाबाद रवाना किया।

पेपर से पहले पढ़ाई

ब्रेकफॉस्ट

उतारनी पड़ी नॉजपिन

समाजसेवी भी नहीं रहे पीछे- अभिभावकों के लिए किया चाय-पानी का प्रबंध

वहीं अभिभावकों के लिए कुछ समाजसेवी लोगों द्वारा चाय-पानी का प्रबंध भी किया गया। जब परीक्षा शुरू होने को थी तो वहां एक टेंट लगाया जा रहा था। उसके बाद लगाए गए टेंट में परीक्षार्थियों व उनके अभिभावकों के लिए चाय पानी की व्यवस्था की गई। इस दौरान कई परीक्षार्थियों व अभिभावकों ने मुहैया कराई गई इस सुविधा का लाभ उठाया। इसके अलावा सेंटर पर समय से करीब डेढ़ घंटा पहले पहुंचे अभ्यर्थी जहां जगह मिली वहीं बैठकर अपनी परीक्षा की तैयारियों में जुट गए। ऐसे में एक अभ्यर्थी ब्रेकफास्ट करते हुए भी पढ़ाई करता दिखाई दिया।

दिव्यांगों को घर से सेंटर तक मिला वाहन

झज्जर। जिला प्रशासन ने दिव्यांग अभ्यर्थियों को घर से परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने व परीक्षा उपरांत घर वापिस तक छोड़ने की बेहतरीन व्यवस्था की, जिसका लाभ लेते हुए जिले में काफी संख्या में दिव्यांग परीक्षार्थी अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचे। जिले में 545 दिव्यांग परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने और परीक्षा के बाद वापस घर तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन ने विशेष प्रबंध किए। सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप इस संवेदनशील पहल को ग्राम सचिवों की सहायता से जमीनी स्तर तक लागू किया गया, ताकि कोई दिव्यांग अभ्यर्थी परिवहन की सुविधा के कारण परीक्षा से वंचित न रह जाए।

आराध्या और चंचल ने जीते स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

सीबीएसई सेंट्रल जोन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में बहादुरगढ़ की आराध्या और चंचल ने अपने भारवर्गों में स्वर्ण पदक जीते। अहलावत बॉक्सिंग क्लब के कोच संदीप अहलावत और सचिव बिट्टू अहलावत ने बताया कि दिल्ली के बवाना में हुई चैंपियनशिप के अंडर-14 आयुवर्ग में बॉक्सर आराध्या ने 42 किलोग्राम भारवर्ग और चंचल ने 44 किलो भारवर्ग में गोल्ड मेडल जीते। दोनों का अहलावत बॉक्सिंग क्लब में पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर ऋषि प्रकाश, प्रधान तेजपाल सैनी, बलराज दलाल, नरेंद्र लोहचब, बलजीत दलाल, आशीष गुलिया, सतीश पहल, महावीर पहलवान, संदीप सहरावत, सुखबीर दलाल, रानी गुलिया, सुनीता दलाल, सीमा लोहचब आदि ने आराध्या व चंचल को बधाई दी।

■ सीबीएसई सेंट्रल जोन बॉक्सिंग चैंपियनशिप ने जिले का नाम रोशन किया

बहादुरगढ़। बॉक्सर आराध्या व चंचल का स्वागत करते खेलप्रेमी।

शिपिंग कंपनी में नौकरी लगवाने का झांसा देकर तीन लाख ठगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव दूबलधन निवासी एक युवक के साथ शिपिंग कंपनी में नौकरी लगाने के नाम तीन लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में युवक ने बताया कि उसके मोबाइल पर इसी माह एक फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने बताया कि उनकी शिपिंग कंपनी में वैकेंसी है यदि आपको नौकरी चाहिए तो इंटरव्यू दे सकते हो। इसके बाद उसके हां कहने पर उन्होंने उसे गौतम बुद्ध नगर यूपी व नवी मुंबई के एड्रेस भेजे। पीड़ित के अनुसार वह इंटरव्यू देने के लिए नवी मुंबई गया जहां बताए गए कार्यालय में दो महिलाओं सहित चार लोग शामिल थे। उन्होंने उसका इंटरव्यू लेकर उसे पास करते हुए बताया कि आपका ज्वाइनिंग लेटर मेल पर भेज दिया जाएगा। इसके बाद बीती अट्ठारह जुलाई को उसकी मेल पर दो कांट्रेक्ट लेटर व एक गारंटी लेटर भेजते हुए मोबाइल पर संपर्क किया। उन्होंने एक खाता नंबर देते हुए उसमें तीन लाख रुपये डालने की बात कही। जिसके बाद पीड़ित ने शातिरों के बताए गए खाते में तीन लाख रुपये की राशि डाल दी। पीड़ित का कहना है कि इसके बाद जब उसने संबंधित मोबाइल पर फोन किया तो वह बंद आ रहा था। साइबर ठगी का एहसास होने पर उसने अपनी शिकायत साइबर पोर्टल पर दर्ज कराई।

सतबीर हत्याकांड में मुख्य आरोपी लीला गिरफ्तार

बहादुरगढ़। परनाला में हुए सतबीर हत्याकांड में पुलिस ने एक और मुख्य हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। रिमांड अवधि में आरोपी से वारदात में प्रयोग किए गए हथियारों की रिकवरी की जाएगी दरअसल, परनाला गांव के निवासी सतबीर के बेटे ने गांव की एक लड़की से प्रेम विवाह कर लिया था। इसलिए दोनों परिवार में रंजिश थी। गत 29 जून की सुबह किरयाणा दुकान संचालक सतबीर की गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। लड़की के भाइयों पर आरोप था। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज में बाइक सवार तीन हमलावर पहचान में आए थे। इनकी पहचान लीला, भूपेंद्र और रोहित के रूप में हुई थी। चंद दिनों पहले ही भूपेंद्र व रोहित गोहाना से गिरफ्तार किए थे। अब पुलिस ने मुख्य आरोपी लीला को भी गिरफ्तार कर लिया है। रविवार को अदालत में पेश कर उसे एक दिन के रिमांड पर ले लिया गया। रिमांड अवधि में पुलिस आरोपी से हथियार व वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक सहित अन्य विषयों पर पूछताछ करेगी। इस मामले में पुलिस अब तक कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

पांच महिला शिल्पकारों को आज अंबाला के राज्यस्तरीय तीज महोत्सव में मिलेगा अवार्ड

■ ममता त्रिपाठी, कोमल गुप्ता, उषा रानी, साक्षी गर्ग व ज्योति शर्मा होंगी सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

अपने हुनर से हस्तशिल्पकला में दुनियाभर में ख्याति प्राप्त करने वाला बहादुरगढ़ का बोंदवाल परिवार लगातार हस्तकला को आगे बढ़ाने के लिए युवा होनहार शिल्पकारों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। उनके प्रयासों का ही फल है कि सोमवार को अंबाला में होने वाले राज्यस्तरीय तीज महोत्सव में हरियाणा सरकार बहादुरगढ़ की 5 महिला शिल्पकारों को सम्मानित करने जा रही है। पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ाने के साथ ही बोंदवाल परिवार लगातार युवाओं के हुनर को परखने के साथ ही निखारने में जुटा रहा। यह परिवार सालों से बहादुरगढ़ में हस्तशिप मेले का आयोजन कर हुनरमंच युवाओं को मंच उपलब्ध करवा रहा है। उनके प्रयासों का परिणाम है कि बहादुरगढ़ की 5 महिला शिल्पकारों को अंबाला की अनाज मंडी में सोमवार 28 जुलाई को होने वाले स्टेट लेवल तीज फेस्टिवल में हैंडिक्राफ्ट अवार्ड दिया जाएगा। टीचर बस्ती निवासी ममता त्रिपाठी को माटी कला के लिए, अनाज मंडी निवासी कोमल गुप्ता को मिनिएचर पेंसिल कार्विंग के लिए, कबीर बस्ती निवासी उषा रानी को कले वर्क के लिए, अनाज मंडी निवासी साक्षी गर्ग को सांझी आर्ट और नई बस्ती निवासी ज्योति शर्मा को पेंटिंग के लिए वर्ष 2018 का स्टेट अवार्ड देकर सम्मानित किया जाएगा। बोंदवाल परिवार ने इन पांचों शिल्पकारों को बधाई दी।

बहादुरगढ़। अवार्डी शिल्पकारों को बधाई देते सूर्यकांत बोंदवाल व अर्चना पंवार।

योगदान

बोंदवाल परिवार दशकों से काष्ठ कला को समर्पित

बता दें कि शहर की नई बस्ती में रहने वाला बोंदवाल परिवार दशकों से काष्ठ कला को समर्पित है। तीन पीढ़ियों से अंडर कट कार्विंग से जुड़े महावीर प्रसाद को वर्ष 1979 में हाथीदांत के आकार वाली लकड़ी पर 16 हाथी बनाने, उनके भाई राजेंद्र प्रसाद को वर्ष 1984 में हाथी दांत की नक्काशी के लिए, उनके पिता जयनारायण बोंदवाल को वर्ष 1999 में चंदन की लकड़ी पर अंबारिया हाथी बनाने और उनके पुत्र चंद्रकात बोंदवाल को चंदन की लकड़ी का अंडर कार्विंग पेंडेंट बनाने के लिए 2004 में भारत सरकार की ओर से राष्ट्रीय सम्मान मिल चुका है। सूर्यकांत बोंदवाल भी नेशनल मेरिट सर्टिफिकेट तथा राजेंद्र बोंदवाल शिल्पगुरु सम्मान प्राप्त कर चुके हैं।

मांडोठी की तनु ने स्टेट कुश्ती प्रतियोगिता में जीता सोना

बहादुरगढ़। दिल्ली में हुई स्टेट कुश्ती चैंपियनशिप में मांडोठी की तनु पहलवान छाई रही। शानदार प्रदर्शन करते हुए तनु दलाल ने अपने भारवर्ग में गोल्ड मेडल हासिल किया। जीत के साथ ही नेशनल चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया। तनु ने 76 केजी भारवर्ग में जोर आजमाइश की थी। अपने तमाम मुकाबलों में जीत दर्ज कर फाइनल में गोल्ड पर कब्जा जमा लिया। आयोजकों की ओर से उसको मेडल व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। मांडोठी की निवासी तनु पिछले कुछ वर्षों से आसौदा स्थित सर छोटूराम अखाड़ा में अभ्यास करती है। इससे पहले भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में मेडल जीतकर इलाके का नाम रोशन कर चुकी है। कोच रवींद्र दलाल व परिजन तनु की जीत से गदगद हैं। अखाड़े में पहुंचने पर उसका अभिनंदन किया गया। कोच रवींद्र दलाल ने कहा कि स्टेट में जीत दर्ज करने के साथ ही तनु ने रांची में होने वाली नेशनल चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यह नेशनल चैंपियनशिप आगामी 24 अगस्त से शुरू होगी। हमें पूरा यकीन है कि नेशनल में भी वह गोल्ड जीतेगी और एक दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करेगी।

खरहर में ट्रैक्टर से कुचलने का प्रयास, पिता-पुत्र पर केस दर्ज

बहादुरगढ़। गांव खरहर में एक व्यक्ति को ट्रैक्टर से कुचलने का प्रयास करने तथा मकान में तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। गांव के ही पिता, पुत्र पर आरोप है। आरोपों की सत्यता जांच का विषय है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात अरुण के साथ हुई है। अरुण का कहना है कि वह कुछ समय से खरहर में रह रहा है। खरहर के निवासी एक युवक व उसके पिता से मेरा पिछले कुछ समय से व्यपारिक मतभेद चल रहा है। गत 25 जुलाई को वे दोनों हमारे मकान पर आए और गाली गलोच तथा धमकी देकर चले गए। शनिवार 26 जुलाई को थाने में शिकायत देकर मैं गांव लौट आया। इसी दौरान दोनों पिता पुत्र ट्रैक्टर पर आए और मुझे कुचलने की कोशिश की। जैसे तैसे गाड़ी से कूदकर मैंने अपनी जान बचाई। इसके बाद उन्होंने गाड़ी तहस नहस कर दी। इतना ही नहीं, मकान के अंदर भी घुसकर तोड़फोड़ कर दी। दीवार व लोहे की सीढ़ी आदि क्षतिग्रस्त कर दी। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

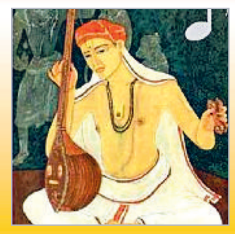

रागों के नाम पर गांव

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

प्रदेश की प्राचीन गायन परम्परा में शुमार हैं

डेरु, रागनी, बारहमासा और आल्हा गीत

हरियाणा के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

कला-संस्कृति

प्रियंका सौरभ

हरियाणा प्रदेश की माटी में केवल अनाज ही नहीं उगता बल्कि लोकगीतों की मिठास और वीरता की कहानियां भी उपजती हैं। यहां के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

डेरु : हरियाणा की सबसे प्राचीन और मौलिक गायन विधा मानी जाती है डेरू। यह एक छोटा-सा वाद्य यंत्र है, जो डमरू के समान होता है, परंतु इसका उपयोग केवल ताल देने में नहीं, बल्कि पूरी गायन शैली के रूप में होता है।

डेरु गायन में कलाकार एकल प्रस्तुति देता है। यह गायन मुख्यतः वीर गाथाओं, संत-महात्माओं की कहानियों या धार्मिक प्रसंगों पर आधारित होता है। वाद्य यंत्र के रूप में केवल डेरु और कभी-कभी ढोलक का उपयोग होता है। यह गायन प्रेरणा, श्रद्धा और जनजागरण का माध्यम होता है। लोकप्रिय डेरु गायकों में 'बल्ली सिंह बल', 'कंवर पाल डेरुवाले' जैसे नाम प्रसिद्ध रहे हैं। आज भी कई गांवों में बुजुर्ग लोग डेरु के माध्यम से रामायण, महाभारत, और लोक देवताओं की कहानियां गाते हैं।

बारहमासा : बारहमासा प्रदेश के लोकसाहित्य की वह भावनात्मक धारा है, जिसमें स्त्री के मन की पीड़ा, ऋतुओं का प्रभाव और प्रेम का रस गहराई से मिलता है। 'बारहमासा' शब्द का अर्थ ही है , बारह मासों में गाया गया गीत। नायिका की विरह-व्यथा ऋतु परिवर्तन के साथ गहराती जाती है। इसमें शृंगार, करुण, और शांत रस की प्रधानता होती है। फागुन में प्रेम की प्यास, जेठ में तपिश, सावन में मिलन की आशा, ये भाव पूरे गीत में बहते हैं। बारहमासा गीतों में प्राकृतिक और सामाजिक परिवेश का सुंदर चित्रण होता है। एक लोकप्रिय बारहमासा पंक्ति है :

फागण मास सुहावो लागे, पिया न आयो घर
मनवा मोरा रोवे, जैसे चातक निर्झर...

यह शैली आज भी लोकनाट्य, हरियाणवी फिल्मों और तीज-त्योहारों में जीवंत रूप में गाई जाती है।

आल्हा गीत : हरियाणा की धरती केवल भावनाओं की नहीं, वीरता की भी परिचायक है। यहां के लोकगीतों में तलवारें गूंजती हैं और ढालें टकराती हैं। आल्हा गायन उसी वीर परंपरा का हिस्सा है। आल्हा गीत मूलतः बुंदेलखंड की वीरगाथा परंपरा से उत्पन्न हुए। लेकिन समय के साथ ये गीत हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक फैल गए। हरियाणा में गांव के मेलों, अखाड़ों और युद्ध-कला प्रदर्शनों में ये गीत खूब गाए जाते हैं।

वीरता, बलिदान और साहस की कहानियां, विशेष रूप से आल्हा और ऊदल की, आल्हा गायन में सम्मिलित होती हैं। इसकी प्रस्तुति तेज लय और ऊर्जावान होती है। सामूहिक गायन में ढोलक, नगाड़ा और अन्य वाद्ययंत्रों के साथ यह प्रस्तुत किया जाता है। यह युवाओं में साहस और देशभक्ति का संचार करता है। कई आल्हा गायकों ने इसे आधुनिक मंचों तक पहुंचाया, लेकिन यह अब भी ग्रामीण हरियाणा की मूल पहचान बना हुआ है।

रागनी : हरियाणा की गायन परंपरा में अगर किसी शैली को सबसे अधिक जनप्रियता मिली है, तो वह है रागनी। यह केवल गीत नहीं, एक लोकनाट्य शैली है जिसमें प्रश्नोत्तर, तर्क, हास्य, और व्यंग्य शामिल होते हैं। रागनी में संवादात्मक शैली होती है, गायक दो भागों में बंटते हैं। एक सवाल पूछता है, दूसरा जवाब देता है। इसके विषय होते हैं सामाजिक विडंबनाएं, धर्म, नैतिकता, राजनीति, नारी सम्मान, शिक्षा आदि। इसकी प्रस्तुति मेलों, मंचों और प्रतियोगिताओं में होती है। रागनी में ढोलक, सारंगी, बैंजो आदि वाद्ययंत्रों का प्रयोग होता है। कुछ लोकप्रिय रागनियां हैं :

'धरती कहे पुकार के, बेटा मुझे बचा ले' और 'गांव की छोरी दिल्ली चली, शहर की चाल में फंस गई भली'। रागनी प्रतियोगिताएं हरियाणा में आज भी हज़ारों की भीड़ खींचती हैं। यह परंपरा समाज को आईना दिखाने का भी काम करती हैं। इन चारों गायन विधाओं को केवल मनोरंजन समझना भूल होगी। यह हरियाणा की सामूहिक चेतना, मूल्य-व्यवस्था और सामाजिक संवाद का सशक्त रूप हैं। जब एक किसान फसल की बुवाई करते हुए डेरु गाता है, जब एक युवती बारहमासा में पिया को याद करती है, जब अखाड़े में वीर आल्हा गूंजता है, या जब रागनी में व्यवस्था पर व्यंग्य किया जाता है, तब हरियाणा की आत्मा बोलती है। आज जब सोशल मीडिया और फिल्मों के शोर में लोक संस्कृति का स्वर दब रहा है, तब यह ज़रूरी है कि हम इन गायन शैलियों को बचाएं और बढ़ाएं। सरकार और सांस्कृतिक संस्थाओं को चाहिए कि वे ग्राम स्तर पर लोकगायन कार्यशालाएं शुरू करें, रागनी और डेरु प्रतियोगिताओं को राज्यस्तरीय पहचान दें, बारहमासा और आल्हा गायकों को मंच और सम्मान दें, और लोक कलाकारों को आर्थिक सहयोग प्रदान करें।

हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

कविता | राजपाल सिंह गुलिया

मोल माणसाँ का गिर ग्या

कील्याँ का के रेट बढ़या योह, मोल माणसाँ का गिर ग्या ।
समझणियाँ माणस तै भाई , इब चोगरदे तैं घिर ग्या ॥

भाण बोल्यी भाई तैं याह , आग्गे पार पड़ै कोन्या ।
अपणे हिस्से नै बता कौण सी, लेती भाण कड़ै कोन्या।
मनै लागै सै म्हारी खातिर, दो रोटी ईब हड़ै कोन्या ।
मैं तै नकटी हो आग्यी, दूजी हो त बड़ै कोन्या ।
तनै त्योहार पै आणा छोड़या, तूँ कती निस्तरग्या ।

सारे भाई कट्ठे होकै, खेवट नै पड़वावैं सै ।
काणी कूट बता कै देखो, फ्रंट रोड का चाहैं सैं ।
रोज दूसरे लोग आण के, इनने न्यूँ बहकावैं सैं ।
एक करोड़ म्हँ दे तै बता, गाह्क- भतेरे आवैं सैं ।
घासी का बाबू खेताँ का, कती पाटड़ा फेर कर ग्या ।

पढ़े -लिखे सैं ये छोरे पर, माणस कि पिछाण नहीं सै ।
बापू इसा बावला बण ज्या, जणू कती जाण नहीं सै ।
छोटे बड्डे कट्ठे पीवैं, किसै की किसै क काण नहीं सै ।
मंगलवार की टाल करैं बस, बाकी इनके आण नहीं सै ।
दारू प्या कै लहरी नै , चतरू कती धार पै धर ग्या ।

देख ल्यो थम खेताँ के ये , नित नए इब भा होग्ये ।
सभ अपणै- अपणै राजी सैं , न्यारे सबके राह होग्ये ।
खूड बेच कै आज देख ल्यो, घर गैल्याँ ये शाह होग्ये ।
राजपाल गुलिया कह बेचण, के न्यूँ सोच क चा होग्ये ।
किते डूम नाहीं गाँवेंगे, अक कमा-कमा कै धर ग्या ॥

कविता | रणबीर सिंह दहिया

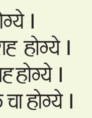

मानस का धर्म

धर्म के सै माणस का मनै कोए बतादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

माणस तैं मत प्यार करो कौणसा धर्म सिखावै
सरे आम बलात्कार करो कौणसा धर्म सिखावै
रोजाना नर संहार करो कौणसा धर्म सिखावै
तम दारू का व्यापार करो कौणसा धर्म सिखावै
धर्म क्यों खून के प्यासे मनै कोए समझादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

ईसा राम और अलाह जिब एक बताये सारे रै
इनके चाह्वण आले बन्दे क्यूँ खार कसूती खारे रै
क्यों एक दूजे नै मारण नै एकेजी हाथां ठारे रै
अमीर देश हथियार बेच के खूबे मौज उड़ारे रै
बैर करो मारो काटो लिखै वो ग्रन्थ भुलादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

मानवता का तत कहैं सब धर्मां की जड़ में सै
कुदरत का प्रेम सारा सब धर्मां की लड़ मैं सै
कदे कदीमी प्रेम का रिश्ता माणस की धड़ मैं सै
कट्टरवाद नै घेर लिए यो हर धरम जकड़ मैं सै
लोगां तैं अरदास मेरी क्युकरै इनै छटवादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै ।।

यो जहर तत्ववाद का सब धर्मों मैं फैला दिया
कट्टरवाद घोल प्याली मैं सब ताहिं पिला दिया
स्कीम बणा दंगे करे इंसान मासूम जला दिया
बड़ मानवता का आज सब धर्मों नै हिला दिया
रणबीर सिंह रोवै खड़्या इनै चुप करवादयो नै ।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए समझादयो नै ।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

तंत्र-मंत्र

अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं, वैज्ञानिक शिक्षा का अधिक प्रचार-प्रसार जरूरी

बदल रहा लोगों का दृष्टिकोण, अपना रहे वैज्ञानिक नजरिया

अंधविश्वास | राज कुमार नरवाल

जैसे-जैसे प्रदेश में शिक्षा का प्रचार-प्रसार बढ़ा है और लोग शिक्षित हुए हैं, तब से हरियाणा के लोगों का दृष्टिकोण बदला है। वे वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने लगे हैं। बहुत से अंधविश्वास, जादू-टोने और तंत्र-मंत्र से वे बाहर निकल आए हैं। गांव-देहात में लोगों को तंत्र मंत्र, जादू टोने और अन्य कई तरह के अंधविश्वास का डर दिखाकर ठगा जाता था।

पढ़े-लिखे लोग अब जादू टोना और तंत्र मंत्र में विश्वास नहीं करते। लोग तार्किक हो गए हैं और चीजों का विश्लेषण करने लगे हैं। वे जल्द बहकावे में नहीं आते। एक जमाना ऐसा था जब लोगों को भूत-प्रेत का भय दिखाया जाता था। रात के समय श्मशान घाट के पास से गुजरते समय लोग डरते थे। हवेलियों और खंडहर मकानों में भूत प्रेत का वास होने की कहानियां सुनने को मिलती थी। यदि किसी व्यक्ति को मानसिक रोग हो जाता था तो उसको कहा जाता था कि इसमें भूत प्रवेश कर गया है। महिलाओं में भूत-प्रेत का साया होने के ज्यादा मामले सुनने को मिलते थे। किसी के घर में और किसी के खेत में भूत-प्रेत होने का डर दिखाकर तांत्रिकों द्वारा लोगों को लूटा जाता था। विभिन्न प्रकार के रोगों का इलाज दवाइयों की बजाए गंडा, ताबीज और भभूत (राख) से किया जाता था। अंधविश्वास के चलते लोगों का समय पर इलाज न होने की वजह से वे दम तोड़ देते थे। लोग अपनी बहू-बेटियों को लेकर कई कई दिन तक झाड़ फूंक के पास बैठे रहते थे। भूत प्रेत निकालने के लिए झाड़-फूंक, झाड़ा लगाने का काम करते थे। बुखार व दूसरी बीमारियां ठीक करवाने के लिए लोग झाड़ा लगवाते थे और मानते थे कि झाड़ा लगाने से रोक ठीक हो जाते थे।

डायन, डाकन, भूत, भूतनी, जिंद, जिंदणी, धौलकपड़िया, शाभा और न जाने कितने नामों का प्रयोग कर लोगों को डराया जाता था। कहीं पर पत्थर बरसाकर लोगों को डराया जाता था और कहा जाता था कि यह प्रेत आत्मा ऐसा कर रही है। किसी के घर में अचानक से आग लग जाती थी और उसके पीछे भी तंत्र मंत्र वाले लोग ही काम करते थे। लेकिन अब पहले जैसा हरियाणा नहीं रहा। लोगों की सोच अब बदल गई है। अब यह डरने डराने का दौर खत्म हो गया है। अब यहां के लोग पिछले कुछ दशकों में इन चीजों से बाहर निकले हैं। हालांकि इक्का-दुक्का जगहों से आज भी ऐसे मामले सामने आ जाते हैं। लेकिन जादू टोना और तंत्र-मंत्र से लोगों का विश्वास उठ गया है। अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं।

पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए प्रदेश के लोग बाबाओं के चक्र में फंसे हैं : डॉ. सुशीला धनखड़

अब भी हरियाणा के लोग पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए हैं। यह बात सच है कि वे जादू टोना और तंत्र मंत्र से बाहर निकल आए हैं। लेकिन वे एक अंधविश्वास से निकलकर दूसरे अंधविश्वास में जाकर फंस गए हैं। मंदिरों में और बाबाओं के सत्संगों में पहले से ज्यादा भीड़ जुटने लगी है। शिक्षा के प्रचार प्रसार के बाद भी पूजा पाठ में कमी नहीं आई है, पूजा पाठ ज्यादा बढ़ा है। अब पहले से ज्यादा सत्संग होने लगे हैं। प्रवचन देने वाले बाबाओं की संख्या में इजाफा हुआ है। लोग अंधभक्त होकर सत्संग में जा रहे हैं। बाबाओं को भगवान मान रहे हैं। पढ़े लिखे लोग सत्संगी बाबाओं के पैर पूज रहे हैं। आज सभी गांवों में रोजाना जगह-जगह सत्संग हो रहे हैं। पहले गांवों में इतने सत्संग नहीं होते थे। यदि कोई बाबा जेल से पेशी पर आता है तो वहां पर अंधभक्तों का तांता लग जाता है। सत्संग में बाबा लोगों को मोह माया से दूर रहने का संदेश देते हैं और खुद लाखों रुपये लेकर सत्संग करने आते हैं। लोगों में वैज्ञानिक चेतना तो आई है, लेकिन लोग सत्संग से जुड़ रहे हैं, तो इसका मतलब हम पूरी तरह से अंधविश्वास से नहीं निकले हैं। धर्म का प्रचार प्रसार हो रहा है। पूजा पाठ बढ़ रहा है। मंदिरों में भीड़ बढ़ रही है। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि इतने धार्मिक होने के बाद भी हमारे अंदर नैतिक मूल्य कम क्यों हो रहे हैं। वैल्यू घटना चिंता का विषय है। फिर धार्मिक होने का क्या फायदा हुआ। समाज में आपसी सहयोग की भावना कम हो रही है और भाईचारे की भावना में कमी आई है। समाज में गुटबाजी बढ़ रही है। लोग कन्यफ्यूज हो गए हैं। अब न तो वे पूरी तरह शहरी बन पा रहे हैं और न ही पूरी तरह ग्रामीण। असल में लोग अवसरवादी हो गए हैं। जिसका जिस तरह काम निकलता है, उसी तरह अपना काम निकाल लेते हैं।

डॉ.सुशीला धनखड़, पूर्व प्रोफेसर, समाज शास्त्र

अंधविश्वास के पीछे निजी स्वार्थ छिपा : वेद प्रिय

भिवानी के शिक्षाविद् वेद प्रिय ने बताया कि लोगों को अंधविश्वास से बाहर निकालने के लिए प्रदेश में कई संस्थाएं काम कर रही हैं। वे खुद हरियाणा विज्ञान मंच के उपप्रधान हैं और हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के कार्यकारी सदस्य हैं। इसी तरह देश में तर्कशील आंदोलन चल रहा है। प्रतिशील संस्थाएं भी काम कर रही हैं। अंधविश्वास की घटना के बाद ये संगठन तुरंत संज्ञान लेते हैं। मौके पर जाकर अंधविश्वास की घटना की सच्चाई लोगों के सामने लाते हैं। वेद प्रिय का मानना है कि अंधविश्वास को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सकता। क्योंकि कुछ लोगों के दिमाग की सोचने की प्रक्रिया धीमी होती है। उनका दिमाग पूरी तरह से चीजों का उस तरह से विश्लेषण नहीं कर पाता, जितना दूसरे लोगों का करता है। वह व्यक्ति ढंग से सोच नहीं पाता। हालांकि प्रदेश में अंधविश्वास के मामलों में कमी आई है। धीरे-धीरे लोग अंधविश्वास से बाहर निकल रहे हैं। प्रदेश सरकार और प्रशासनिक ढांचे ने अंधविश्वास फैलाने वालों पर शिकंजा कसा है। अब अंधविश्वास फैलाने से लोग डरते हैं, कहीं कानूनी कार्रवाई न हो जाए। यही वजह है कि अब उतनी घटनाएं नहीं होती, जितनी पहले होती थी। अंधविश्वास के पीछे व्यापार अथवा निजी स्वार्थ छिपा होता है। ऐसे लोग अनपढ़ अथवा कम पढ़े लिखे लोगों को अपना निशाना बनाते हैं। यदि अंधविश्वास से नई पीढ़ी को बचाना है तो उनको अच्छी शिक्षा देनी होगी। सही मायने में उनको वैज्ञानिक पढ़ाई-लिखाई सिखाने की जरूरत है।

वेद प्रिय, उपप्रधान हरियाणा ज्ञान विज्ञान मंच

विश्व पटल पर भारतीय रंगमंच को स्थापित कर गये रतन

श्रद्धांजलि | ओंकारेश्वर पांडेय

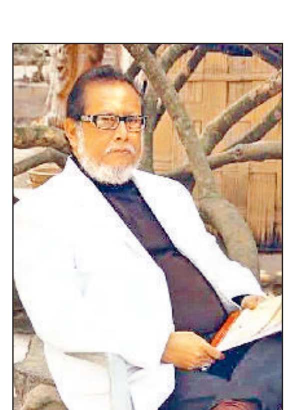

रतन थियम चले गए। दादा 23 जुलाई, 2025 को गए। मणिपुर रो रहा है। शांति की बात उन्होंने की। उनका रंगमंच चमका। वे कहते थे - "रंगमंच हमारी आत्मा है।" रचनात्मकता के हथियारों से युद्ध के खिलाफ युद्ध लड़ने वाला योद्धा नहीं रहा। अशांत मणिपुर को शांति का संदेश देते देते खामोश हो गये रतन थियम। वे भारतीय रंगमंच के एक विशाल पर्वत थे। उन्होंने मणिपुरी परंपराओं को विश्व के साथ जोड़ा। उनकी रचनाएं—महाभारत त्रयी (उरुभंगम, चक्रव्यूह, कर्णभरम) और लैरेंबीगी ईशेई—युद्ध, पहचान और शांति पर गहरी सोच रखती थीं। मणिपुर के मैतेई-कुकी झगड़े से वे दुखी थे और शांति की आवाज़ बने। रतन एक रंगकर्मी या निर्देशक भर नहीं, वह रंग वैज्ञानिक थे, जिसने मणिपुर की आत्मा को वैश्विक कैनवास पर उकेरा। उनकी कला आज भी एकता की मिसाल है। उनका जाना भारत और दुनिया को झकझोर रहा है। रतन थियाम, वह दूरदर्शी नाटककार, निर्देशक और सांस्कृतिक दीपक, जिन्होंने 77 वर्ष की आयु में इम्फाल के रिम्स अस्पताल में अंतिम प्रणाम लिया। उनका निधन केवल भारतीय रंगमंच के लिए ही नहीं, अपितु वैश्विक मंच के लिए भी एक युग का अंत है, जहां उनके कार्य ने सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों को लाँघकर मानव आत्मा की सार्वभौमिक पुकार को स्वर दिया। उन्हें केवल रंग कलाकार या निर्देशक कहना उनके अपार प्रतिभा को कमतर आंकना होगा; मैं कहूंगा कि वे एक रंग वैज्ञानिक थे, एक ऐसे महान रसायनज्ञ, जिन्होंने प्राचीन और समकालीन, स्थानीय और सार्वभौमिक, आध्यात्मिक और राजनैतिक तत्वों को सानंदित कर रंगमंच को एक अनुपम प्रयोगशाला बनाया। उनका मंच वह पवित्र स्थल था, जहाँ मणिपुर की परंपराएं, वैश्विक सौंदर्यबोध और मानवीय अनुभवों का कच्चा स्पंदन एक अनुपम सत्य और सौंदर्य के रूप में सानंदित हुआ।

20 जनवरी, 1948 को मणिपुर के इम्फाल में जन्मे रतन थियाम एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे, जिनकी रचनात्मक यात्रा चित्रकला और लेखन से प्रारंभ होकर रंगमंच में अपनी पराकाष्ठा तक पहुंची। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) से 1974 में स्नातक होने के पश्चात, उन्होंने 1976 में इम्फाल के निकट कोरस रिपर्टरी थिएटर की स्थापना की, जो मणिपुर की संनादित संस्कृति और विश्व के साथ संवाद का एक पवित्र मंदिर बन गया। उनकी रंगमंचीय प्रस्तुतियां केवल नाटक नहीं थीं, अपितु युद्ध, पहचान और मानवता की अनंत खोज पर गहन चिंतन थीं।

उनके पुरस्कार संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1987), पद्म श्री (1989), कालिदास सम्मान (1997), संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (2012), और मणिपुर का लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (2025), उनकी उस विरासत के केवल मामूली पुष्टिकरण थे, जिसे मापना असंभव है।

रंगमंच वैज्ञानिक की विरासत का संरक्षण

रतन थियम का निधन एक शून्य छोड़ गया है, किंतु उनकी विरासत को मलिन नहीं होने देना चाहिए। इम्फाल में उनका कोरस रिपर्टरी थिएटर, एक सांस्कृतिक दीपस्तंभ, को उनके कार्य का जीवंत संग्रहालय बनाकर समर्थन देना चाहिए, जो भविष्य के कलाकारों को उनके अंतर्विषयी दृष्टिकोण में प्रशिक्षित करे। जैसा कि थियम ने जनवरी 2025 में निंगथम खुमहेइ शुमंग लीला उत्सव में वकालत की थी, मणिपुर में एक विश्वस्तरीय सांस्कृतिक परिसर की स्थापना राज्य की कलात्मक विरासत को पोषित करने के लिए आवश्यक है। उनके स्क्रिप्ट्स, रिकॉर्डिंग्स और प्रस्तुति नोट्स को डिजिटाइज कर विश्व भर के विद्वानों और अभ्यासियों के लिए सुलभ करना चाहिए, ताकि चक्रव्यूह और उत्तर प्रियदर्शी जैसे कार्य प्रेरणा देते रहें। शैक्षिक संस्थानों, विशेष रूप से एनएसडी, जहाँ थियम ने निदेशक (1987–88) और अध्यक्ष (2013–17) के रूप में सेवा दी, को उनकी पद्धतियों को पाठ्यक्रम में समाहित करना चाहिए, जो पारंपरिक और समकालीन रूपों के संनादन पर बल देता हो। भारत रंग महोत्सव जैसे उत्सवों, जहाँ थियम के नाटकों को सराहा गया, को उनके कार्यों के लिए रेट्रोस्पेक्टिव समर्पित करने चाहिए, जो स्थानीय और वैश्विक दर्शकों से संवाद करने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित करें। इसके अतिरिक्त, उनकी एकता की पुकार "विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों में एकता का सार ही एकता ला सकता है" को मणिपुर के जातीय विभाजनों को कला के माध्यम से जोड़ने के प्रयासों का मार्गदर्शन करना चाहिए।

थियम की स्थानीय और सार्वभौमिक को मिश्रित करने की क्षमता जापान के तदाशी सुजुकी के कार्य के समान थी, जिनके सुजुकी मेथड ने शारीरिकता और सांस्कृतिक स्मृति पर जोर दिया, ठीक वैसे ही जैसे थियाम ने थांग-टा और मैतेई रीति-रिवाजों का उपयोग किया।

आर्य समाज मंदिर में साप्ताहिक यज्ञ का आयोजन

यज्ञ करना और कराना दोनों कार्य श्रेष्ठ

झज्जर। यज्ञ में आहुति डालते हुए आर्यजन। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

■ यज्ञ करने से ना केवल आत्मिक शुद्धि होती है बल्कि यह वातावरण को स्वस्थ और शुद्ध करने में सक्षम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को शहर के आर्य समाज मंदिर में साप्ताहिक यज्ञ का आयोजन किया गया। आर्यजनों ने यज्ञ में आहुति डाली। ब्रह्मचारी इंद्रजीत ने बताया कि यज्ञ हमारे सोच, समृद्धि व कार्य कुशलता में भी व्यापकता लेकर आता है जिससे हमारा जीवन और भी सार्थक होने लगता है। उन्होंने कहा कि ऋषि-मुनियों द्वारा यज्ञ करना और करवाना दोनों ही कार्य श्रेष्ठ बताए गए हैं। यज्ञ करने से ना केवल आत्मिक शुद्धि होती है बल्कि यह वातावरण को स्वस्थ और शुद्ध करने में सक्षम है। इस मौके पर राजीव आर्य, रमेश आर्य, जितेंद्र आर्य, सुभाष आर्य, प्रकाशवीर आर्य, डॉक्टर गौतम आर्य सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

भंडारे में सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

झज्जर। गांव माजरा दूबलधन स्थित नरवाला धाम में संत शिरोमणी बाबा तेलूदास के निर्वाण दिवस पर विशाल सत्संग व भंडारे का आयोजन किया गया। इस आयोजन में देशभर से साधु-संतों ने भाग लिया। मुख्य रूप से उपस्थित कपूर की पहाड़ी आश्रम के पीठाधीश्वर महंत किशननाथ महाराज ने कहा कि साधु-संत किसी एक जाति या धर्म के नहीं होते। बाबा तेलूदास एक मस्तमौला व फकीर संत थे, जो मानवता को सर्वोपरि मानते थे। महाराज बादल नाथ ने कहा कि श्रावणी तीज के दिन बाबा ब्रह्मलीन हुए थे। उनका एक डेरा पंजाब के संगरूर में और दूसरा डेरा चरखी दादरी जिले के गांव हिंडोल में स्थित है। हर वर्ष श्रावणी तीज पर माजरा व आसपास के गांवों की संगत के सहयोग से विशाल सत्संग और भंडारे का आयोजन किया जाता है। भंडारे में सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

झज्जर। बैठक के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि। फोटो :हरिभूमि

भाजपाइयों ने की संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ कार्यकर्ता केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें

स्थानीय पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाऊस में भाजपा जिला कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने की, जबकि भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक सुदृढ़ करने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं से है। इसलिए कार्यकर्ता केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें। वहीं प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता का योगदान महत्वपूर्ण है तथा आने वाले समय में सभी मिलकर संगठन को नई दिशा देंगे। इस अवसर पर जिप चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना, नपा चेयरमैन बेरी देवेंद्र कादियान, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष बिजेंद्र दलाल, मनीष नंबरदार, सोमवती जाखड़, सुनीता चौहान सहित अन्य भी मौजूद रहे।

रेलवे स्टेशन पर लोगों को बांटा खीर का प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झाड़ली रेलवे स्टेशन परिसर में उपस्थित समिति सदस्य।

जिले के झाड़ली रेलवे स्टेशन पर आम जन विकास सेवा समिति द्वारा रोटी बैंक चलाकर जरुरतमंद लोगों में निःशुल्क भोजन परोसा जा रहा है। समिति अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने बताया कि संस्था द्वारा पिछले कई वर्षों से आमजन रोटी बैंक चलाया जा रहा है। इसके साथ समिति सदस्यों द्वारा स्टेशन पर साफ-सफाई का भी ध्यान रखा जाता है। समिति संरक्षक मुकेश कुमार गर्ग ने बताया कि रविवार को रेलवे-स्टेशन पर खीर का प्रसाद वितरित कराया गया। इस मौके पर उमेश, शिवनारायण पूनिया, संदीप कुमार, सन्नी कुमार, हंसराज, बाबूलाल, देव भारद्वाज सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में मंचासीन दिनेश कौशिक व पूर्व पार्षद संदीप। फोटो :हरिभूमि

शिव मंदिर नवनिर्माण पर हुआ भंडारा

बहादुरगढ़। लाइनपार स्थित फोर्टेएशिया रेजिडेंसी में शिव मंदिर के नवनिर्माण के उपलक्ष्य में रविवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक ने भी शिरकत की। उन्होंने भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने के बाद स्थानीय निवासियों की समस्याएं सुनीं। इस अवसर पर पूर्व पार्षद संदीप, आरडब्ल्यूए प्रधान जयवीर दलाल, जगबीर, जोगेंद्र , विकास काजला, पाले पाहसौर, रवि कौशिक व दर्शन आदि मौजूद रहे।

शीतल बनीं वेस्टर्न यूपी किसान कांग्रेस प्रभारी

बहादुरगढ़। अखिल भारतीय राष्ट्रीय किसान कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के चारों जोन के प्रभारियों की लिस्ट जारी की है। बहादुरगढ़ की शीतल मान यूपी किसान कांग्रेस पश्चिमी जोन की प्रभारी बनाई गई है। प्रभारी बनाए जाने पर शीतल ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया है। गांव लोवा कलां निवासी शीतल मान ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी दी है, उसे पूर निष्ठा से निभाने का प्रयास रहेगा। ईमानदारी से पार्टी की नीतियों को घर घर पहुंचा कर किसानों के हकों की लड़ाई लड़ेंगी। इससे पहले वह 2004 से 2008 तक युवा कांग्रेस व 2018 से 2024 तक प्रदेश महिला कांग्रेस की महासचिव रह चुकी हैं। शीतल ने कहा कि आज देश भयंकर संकट के दौर से गुजर रहा है। किसान- मजदूर, महिला, युवा समेत सभी वर्ग सरकार का उत्पीड़न झेल रहे हैं। भाजपा सरकार उद्योगपतियों के करोड़ों रुपये के कर्ज माफ कर सकती है पर किसान और मजदूरों के कर्जे माफ करने से दूर भाग रही है।

शीतल मान।

समिति ने डेंगू रोधी अभियान चलाया

बहादुरगढ़। देवीलाल पार्क में किया जा रहा दवा का छिड़काव। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति सांखोल की ओर से रविवार को डेंगू रोधी अभियान चलाया गया। इसके तहत पुराना लघु सचिवालय, पुराना बस स्टैंड व देवीलाल पार्क में टीम ने दस्तक दी। इन स्थानों पर जहां, जहां पानी भरा हुआ था, वहां डेंगू रोधी दवा का छिड़काव किया गया। इसके साथ ही लोगों को डेंगू के प्रति जागरूक भी किया गया।

संस्था के सदस्यों ने कहा कि बरसात में अक्सर जगह जगह जलभराव हो जाता है। इन जलभराव वाले स्थानों पर डेंगू मच्छर का लार्वा पनप जाता है। अन्य मच्छर जनित बीमारियां फैलने का भी खतरा बढ़ जाता है। इसलिए अपने आसपास पानी जमा न होने दें। कूलरों को समय समय पर साफ करें। छतों पर रखे पंछियों के पानी के बर्तनों को भी समय समय पर साफ करें। बच्चों को पूरी बाजू के कपड़े पहनाएं और मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। तबीयत खराब होने पर समय रहते डॉक्टर के पास अवश्य जाएं। जागरूकता से ही इन बीमारियों से बचा जा सकता है।

जसोरखेड़ी में सुनीं पीएम के मन की बात

■ मोदी के लगातार तीसरे कार्यकाल में भारत आज विश्व पटल पर एक मजबूत व आर्थिक रूप से समृद्ध राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। कार्यकर्ताओं के साथ पीएम का मन की बात कार्यक्रम सुनते डॉ. पंकज जैन।

वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. पंकज जैन ने रविवार को गांव जसौरखेड़ी में कार्यकर्ताओं के साथ पीएम नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम सुना। इसके उपरांत उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम हर भारतवासी के लिए प्रेरणादायक है। ग्रामीणों के साथ कार्यक्रम सुनते हुए डॉ. पंकज जैन ने कहा कि हर माह होने वाले मन की बात कार्यक्रम से सभी को देश सेवा की ऊर्जा मिलती है। मोदी हर महीने देशवासियों को मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्र हित, शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, ज्ञान, विज्ञान, पर्यावरण, मेक इन इंडिया सहित सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों से रूबरू कराकर अन्य लोगों को भी देशहित, समाजहित व जनहित में सेवा कार्य करने को प्रेरित करते हैं। मोदी के लगातार तीसरे कार्यकाल में भारत आज विश्व पटल पर एक मजबूत व आर्थिक रूप से समृद्ध राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। इस अवसर पर अजय, पवन कुमार, आजाद, प्रवीण, सुरेंद्र, नरेश, गीताराम व जसवंत पहलवान आदि मौजूद रहे।

नरेला में युवक की हत्या का आरोपी व्यक्ति अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच की नई दिल्ली रेंज टीम ने इस महीने की शुरुआत में नरेला औद्योगिक क्षेत्र में हुई युवक की लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आये आरोपी शख्स का नाम सदागुरु उर्फ बड़का मुर्मू बताया गया है।पुलिस के अनुसार भोरगढ़ गांव में रेलवे की जमीन के पास 12 जुलाई को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था। मृतक के सिर पर चोट के निशान थे। बाद में डैड बॉडी की शिनाख्त उत्तर प्रदेश निवासी बल्लू (23) के रूप में हुई थी। अपराध स्थल के पास कोई प्रत्यक्षदर्शी या सीसीटीवी कैमरा न होने के कारण सुराग नहीं मिल सका था। हालांकि एक टीम ने आसपास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज खंगाले और सुराग जुटाने के लिए मुखबिरों को सक्रिय किया। झारखंड के मूल निवासी 50 वर्षीय सदागुरु उर्फ बड़का मुर्मू को 26 जुलाई को गिरफ्तार किया गया। उसने अपराध कबूल कर लिया है। आरोपी ने पूछताछ के दौरान बताया कि एक बहस के दौरान उसने लोहे के रॉड से पीट पीटकर बल्लू की हत्या की थी।

मेट्रो में सोने के बिस्कुट चुराने के आरोप में दो पकड़े

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो की चलती ट्रेन से 141 ग्राम से अधिक वजन के सोने के बिस्कुट चुराने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से चोरी के सोने के बिस्कुट की बिक्री से कथित तौर पर अर्जित राशि यानी तीन लाख रुपये बरामद किए हैं। 11 जुलाई को अमित संतरा नामक यात्री ने बहादुरगढ़ और शादीपुर स्टेशन के बीच यात्रा करते समय बैग से सोने के बिस्कुट चोरी होने की सूचना दी। अधिकारी ने बताया कि राजा गार्डन मेट्रो पुलिस थाने में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर की गई। जांच टीम ने संदिग्ध का पता लगाने के लिए मेट्रो स्टेशन और ट्रेन के डिब्बों में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड तस्वीरों का विश्लेषण किया। अधिकारी के अनुसार, जांच के आधार पर डाबरी निवासी संदिग्ध सोनू चंद (29) को 23 जुलाई को पकड़ा गया, जो आदतन अपराधी है। पूछताछ के दौरान, सोनू ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और खुलासा किया कि चोरी का सोना बेच दिया गया है।

सोमबीर बेनीवाल ने बताया पर्यावरण को स्वच्छ व संतुलित रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी

जिले में ग्यारह हजार पौधे आरोपित करने का लक्ष्य

झज्जर। कार्यशाला में जिला कोर्डिनेटर को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए मुख्यातिथि। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ हमें अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल भी करनी चाहिए

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद व यूथ एंड इको क्लब फॉर्मेशन लाइफ द्वारा जिले में प्रारंभिक चरण में 11 हजार पौधे आरोपित करने का लक्ष्य लिया है। शिक्षा विभाग के प्रोग्राम ऑफिसर डॉक्टर रामकुमार व इको क्लब के स्टेट कोर्डिनेटर डॉक्टर धीरज कौशिक ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत सभी विद्यालयों का रजिस्ट्रेशन कराना है व सर्टिफिकेट अपलोड करना है। प्रत्येक विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय परिसर, सामूहिक भूमिस्थल तथा निजी क्षेत्र में पौधरोपण करके अपनी मां को समर्पित करते हुए फोटो खींचकर उसे एक पेड़ मां के नाम साइट पर अपलोड करना होगा। यूथ एवं इको क्लब फॉर मिशन के अंतर्गत ही प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को साहसिक कार्यों में भेजकर भौगोलिक ज्ञान के साथ-साथ प्राकृतिक अवलोकन का अवसर मुहैया कराया जाएगा। सोमबीर बेनीवाल ने बताया पर्यावरण को स्वच्छ व संतुलित रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल भी करनी चाहिए।

ओमेक्स में पर्यावरण संरक्षण पर हुई कार्यशाला

बहादुरगढ़। ओमेक्स सिटी में स्थित हैप्पी होम्स में कर्नल अनिल जून की देखरेख में पर्यावरण संरक्षण विषय पर कार्यशाला हुई। इसमें पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विषय पर बच्चों ने पेंटिंग कर अपने भाव प्रकट किए। अत्तर सिंह कौशिक ने पर्यावरण प्रदूषण के दुष्प्रभावों से अवगत करवाया। इस अवसर पर पवन जसूजा, जयभगवान बंसल, अमित आदि उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। ओमेक्स में हुई कार्यशाला में बनाई पेंटिंग्स दिखाते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

सेक्टर-7 में वैदिक संगीत हुई संध्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सेक्टर-7 में सम म्यूजिक अकेडमी द्वारा आयोजित वैदिक संगीत संध्या का सफल आयोजन किया गया। दिल्ली से आई वरिष्ठ सितार वादिका रत्ना लाहिड़ी ने सितार वादन किया। गुरु डॉ. जयदेव मुखर्जी ने अद्भुत तबला वादन की प्रस्तुति दी। वैदिक गायन में अनुराग, गोविंद और हर्षित राग दुर्गा में दो बंदिशों को बहुत अच्छे से प्रस्तुत किया। तबले पर ह्रषिकेश व हारमोनियम पर दीपक ने उत्तम संगति दी। इस मौके पर विनोद गिरधर, समीर दास व उमेश कुमार आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। संगीत संध्या में प्रस्तुति देती रत्ना लाहिड़ी व जयदेव मुखर्जी।

मेले में थ्री-डी हेलीकॉप्टर राइडिंग रही आकर्षण का केंद्र

तीज मेले में बच्चों ने उठाया झूलों का लुत्फ

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

रविवार को तीज पर्व जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने व्रत रख कर अपने पति व संतानों की लंबी उम्र की कामना करते हुए भगवान शिव से सुख-समृद्धि की कामना की। तीज पर्व की पूर्व रात्रि महिलाओं द्वारा अपने हाथों पर शगुन के तौर पर मेहंदी रचवाई गई। शहर के त्रिमूर्ति मंदिर के पीछे तीज मेला लगा। जिसमें लोगों ने जमकर खरीददारी की। इस बार मेले में पहले की अपेक्षा अधिक भीड़ रही। तीज मेले में छोटे व बड़े झूले, मिकी माउस झूलों के थ्री-डी हेलीकॉप्टर राइडिंग भी आकर्षण का केंद्र रहे। यहां एक ट्राला पर हेलीकॉप्टर का प्रारूप बनाया गया था। जिसमें बिठाकर बच्चों व बड़ों को थ्री-डी फिल्म के जरिए हेलीकॉप्टर राइडिंग का एहसास कराया जा रहा था। महिलाएं भी पारंपरिक रीति रिवाजों को निभाते हुए मेले में पहुंची। यहां उन्होंने अपनी जरुरत के हिसाब से श्रृंगार व रूप सज्जा का सामान खरीदा।

झज्जर। तीज मेले में लगी लोगों की भीड़ व मेला में लगाया हेलीकॉप्टर का प्रारूप जो बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र। फोटो : हरिभूमि

पुलिस प्रबंध न होने के कारण मेले में रहा अस्त व्यस्त माहौल

मेले में जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कोई पुख्ता प्रबंध नहीं किए गए थे। पुलिस कर्मचारियों की तैनाती न होने के कारण मेले में अस्त व्यस्त माहौल दिखाई दिया। सड़क के दोनों किनारों के अलावा लोग बीच सड़क पर भी स्टॉल लगाए दिखाई दिए जिस कारण लोगों को आने-जाने में भी परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों का कहना रहा कि बच्चों की जिद के चलते ही मेले में आए हैं लेकिन यहां का माहौल सुरक्षात्मक नहीं है। जिला प्रशासन द्वारा पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगानी चाहिए थी।

अब पहले जैसी बात नहीं

शकुंतला देवी व कांता देवी ने बताया कि अब विभिन्न त्यौहारों पर लगने वाले मेलों में पहले जैसी बात नहीं रही। पहले वे तीज मेले में मोहल्ले की महिलाओं के साथ पारंपरिक परिधानों में गीत गाते हुए जाया करती थीं। यहां उगी बेरी की झाड़ियों में रात को पानी में भिगो कर रखे गए चने जिन्हें बिरवे कहा जाता था उन्हें रौपा जाता था। लेकिन अब केवल औपचारिकता रह गई है। पहले के समय में तीज मेला स्थल पर कुश्ती दंगल का आयोजन भी होता था जो समय के साथ लुप्त हो गया।

झज्जर। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

मदर इंडिया स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाई तीज

झज्जर। मदर इंडिया वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मारौत में हरियाली तीज उत्सव का शुभारंभ मदर इंडिया ग्रुप ऑफ स्कूल्स निदेशक रामफूल शास्त्री, कोषाध्यक्ष एवं प्रबंधक पवन शर्मा, प्राचार्य संतोष कुमारी व उप-प्राचार्य कपिल शर्मा द्वारा किया गया। कपिल शर्मा ने विद्यार्थियों को तीज त्यौहार के इतिहास, महत्व व मनाने की विधि बारे जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह उत्सव सांस्कृतिक, धार्मिक एवं ऋतु परिवर्तन से संबंध रखता है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों व शिक्षकों ने विद्यालय परिसर में डाले गए झूलों का आनंद लिया। इस मौके पर सीमा, पूनम, मीना छिल्लर, संध्या, भारती ढाका, राजरानी, प्रीति, ज्योति, अनिल सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम के दौरान मंचासीन अतिथि व आयोजक। फोटो : हरिभूमि

महिला मित्र मंडल ने वैश्य कॉलेज में मनाई तीज

बहादुरगढ़। वैश्य कन्या महाविद्यालय में अग्रवाल वैश्य समाज की महिलाओं ने तीज का त्यौहार मनाया। उन्होंने तीज से संबंधित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बहादुरगढ़ शिक्षा सभा के प्रधान श्रीनिवास गुप्ता, डॉ पंकज जैन, पवन जैन, प्रिंसिपल डॉ. राजवंती शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ मालविका बंसल, नविता जिंदल व मनीषा गुप्ता मौजूद रही। भाजपा नेता डॉ पंकज जैन ने कहा कि तीज त्यौहार के माध्यम से हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीमा बंसल सुनीता जैन, सुधा जैन, मोना जैन, पूजा जैन, निशा जैन, किरण बंसल व सोना बंसल की अहम भूमिका रही।

ब्रह्माकुमारियों ने सेक्टर-2 में मनाई तीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेक्टर-2 सेवाकेंद्र पर हरियाली तीज का पर्व आध्यात्मिक उल्लास, उमंग और सांस्कृतिक परंपराओं के साथ धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया।

सेवाकेंद्र प्रभारी बीके विनीता दीदी ने सभी को तीज पर्व का गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ समझाते हुए कहा कि तीज केवल पति-पत्नी के रिश्ते का प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के सच्चे प्रेममय मिलन की यादगार है। यह पर्व हमारी भारतीय संस्कृति के मूल्यों, पवित्रता, श्रद्धा, समर्पण और आंतरिक सौंदर्य को जीवंत करने वाला पर्व है। कार्यक्रम में बीके भरत, बीके आशीष और बीके नवीन ने मनोहारी गीतों की प्रस्तुति से समा बांध दिया।

बीके स्मृति और बीके सुनंदा ने तीज के पारंपरिक गीतों पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। इस दौरान तीज से संबंधित क्विज, तीज सजावट और स्वयं रचित गीत प्रतियोगिताएं हुईं। विजेताओं को सम्मानित किया गया। बीके रूबी, बीके एंजेल व बीके कोमल ने कहा कि तीज हमें अपने मन में हरियाली रूपी सकारात्मक ऊर्जा को भरने का संदेश देता है। प्रभु प्रसाद के वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बहादुरगढ़। सेक्टर-2 सेवा केंद्र में हुए कार्यक्रम में मौजूद बीके विनीता व अन्य। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पूर्व नौ सैनिक परिवार। फोटो : हरिभूमि

पूर्व नौसैनिक परिवारों ने मनाया तीज पर्व हरियाणवी संस्कृति की बिखेरी छटा

झज्जर। गांव जहांगीरपुर में पूर्व नौ सैनिक परिवारों ने हरियाली तीज का पर्व धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम में हरियाणवी संस्कृति की झलक देखने को मिली। महिलाएं, पुरुष, बच्चे सभी पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे और हरियाणवी गीतों पर जमकर डांस किया। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक मिठाई गुलगुले, घेवर खिलाकर एक दूसरे को तीज पर्व की बधाई दी। महिलाओं ने सावन के पारंपरिक गीत गाते हुए झूलों का भी आनंद लिया। पूर्व नौ सैनिक अजीत गुलिया ने बताया कि कार्यक्रम में हरियाणा के अलावा यूपी, राजस्थान से पूर्व नौ सैनिकों के स्तर परिवारों ने भाग लेते हुए, कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। पुराने साथियों ने आपस में मिलते हुए सुख दुख भी सांझा किए। अलवर से अमर सिंह यादव और सीकर से रतन सिंह राजपूत ने वरिष्ठ साथियों को राजस्थानी पगड़ी पहनाकर और तलवार भेंट कर सम्मान किया। पूर्व नौ सैनिक रामकुंवार मुदगिल, दिनेश सांगवान, अमित शर्मा मातनहेल, सत्यनारायण शर्मा, रणबीर सिंह गिल, सतपाल हुड्डा सहित काफी संख्या में पूर्व सैनिक और उनके परिजन मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान कारगिल विजय दिवस पर शहीद जवानों की याद में दो मिनट का मौन धारण करते हुए नमन भी किया।

बहादुरगढ़। रविवार को सेक्टर-2 पार्क में हवन करते आर्य समाजी। फोटो : हरिभूमि

आर्य समाजियों ने सेक्टर-2 पार्क में किया हवन

बहादुरगढ़। आर्य समाजियों ने रविवार को सेक्टर-2 के कम्युनिटी सेंटर वाले पार्क में हवन करके तीज पर्व मनाया। आर्य प्रतिनिधि सभा के जिला प्रधान आर्य हरिओ३म दलाल ने बताया कि यज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में बलराज व उनकी धर्मपत्नी पूनम उपस्थित रहीं। यज्ञ के बाद हिमांशी आर्या व आशा आर्या ने सावन व भक्ति के गीत प्रस्तुत किए। इस अवसर पर प्रवीण पहलवान, राज सिंह दलाल, नरेंद्र खत्री, रविंद्र कुमार, रुक्मेश आर्या, कौशल्या राठी व संजय मलिक आदि मौजूद रहे। इस दौरान आर्य समाजियों ने बापौली (पानीपत) हुई गुंडागर्दी की कड़े शब्दों में निंदा की तथा घटना के दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने व उनसे समाज की संपत्ति के नुकसान की भरपाई करने की भी मांग की।

बेरी व दुजाना में युवाओं ने जमकर की पतंगबाजी

झज्जर। जिले में तीज पर्व को लेकर जहां विभिन्न स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों व मेले का आयोजन किया गया वहीं क्षेत्र के कस्बा बेरी व गांव दुजाना में युवाओं द्वारा पतंगबाजी की गई। अलसुबह युवाओं द्वारा अपने घरों की छतों पर चढ़कर पतंग उड़ाने का सिलसिला शुरू किया जो देर शाम तक चलता रहा। कुछ युवा घर की छतों पर डीजे की धुन पर पतंगबाजी का आनंद लिया। बेरी निवासी हैप्पी बांगा ने बताया कि हर वर्ष तीज के अवसर पर बेरी व आसपास के गांवों में पतंग उड़ाए जाते हैं। दिनभर बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सभी पतंगबाजी का आनंद लेते है। क्षेत्र के गांव दुजाना में भी युवाओं द्वारा पतंगबाजी का लुत्फ उठाया । दिनभर युवा छतों पर चढ़कर डीजे की धुनों के साथ पतंगबाजी का आनंद लेते दिखाई दिए। गांववासी संजय सहगल, दिनेश कुमार ने बताया कि उनके गांव में पिछले लंबे अरसे से तीज पर्व पर पतंग उड़ाए जाने का रिवाज है।

झज्जर। बाबा कांशीगिरी मंदिर में श्रावण मास की कथा श्रवण करती महिलाएं।

बाबा कांशी गिरी मंदिर में महिलाओं ने किया शिव महापुराण कथा का श्रवण

झज्जर। बाबा कांशीगिरी मंदिर परिसर में चल रही श्री शिव महापुराण कथा के 17वें दिन कथा वाचक पंडित पवन कौशिक ने कहा कि हरियाली तीज हमारी संस्कृति है। प्रत्येक वस्तु भगवान शिव सृष्टि की देन है। इसलिए यह जो मनुष्य जीवन भगवान शिव ने दिया है इसे नेक कार्य में लगाना चाहिए। महिलाओं के लिए इस त्यौहार का विशेष महत्व है। इस दिन हरे रंग का विशेष महत्व है। हरा रंग शिव को प्रिय है। हरा रंग सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है इससे परिवार में खुशहाली आती है। इस मौके पर संतोष अरोड़ा, हर्ष चावला, इंदु शर्मा, किरण अरोड़ा, शशी खत्री, संतोष हंस, सृष्टि,यशिका रंजन, सोनिया मल्होत्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

तीज पर बच्चों ने पहनीं हरियाणवी पोशाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

रविवार को इलाके में हरियाली तीज का त्योहार पूरे उत्साह और पारंपरिक अंदाज में मनाया गया। इस अवसर पर कई स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। वहीं घर-घर खीर, पूड़े, घेवर आदि पारंपरिक व्यंजन बनाए गए। महिलाओं ने झूले डाले, लोकगीत गाए और एक-दूसरे को बधाई देकर तीज का त्योहार मनाया।

बच्चों में भी इस पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। परिजनों ने बच्चों को तीज का महत्व बताते हुए उन्हें अपनी संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया। छोटे-छोटे बच्चों को दामन, कुर्ता और पारंपरिक हरियाणवी पोशाक पहनाकर उन्हें अपनी जड़ों से जुड़ने का संदेश दिया गया। बच्चों को बातया गया कि तीज केवल पर्व नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। बच्चों ने भी पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होकर पर्व को खास बना दिया। हरियाली तीज ने एक बार फिर यह साबित किया कि हमारी परंपराएं न केवल जीवित हैं, बल्कि नई पीढ़ी में भी रच-बस रही है।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में जाने को तैयार हुई नन्ही नायरा।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में पौधे लगाती महिला पुलिसकर्मी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

महिला पुलिस के साथ मनाई तीज

बहादुरगढ़। राम नगर स्थित प्राचीन शिव मंदिर के साथ पार्क में रविवार को हरियाली तीज मनाई गई। महिलाओं में आत्मरक्षा और सुरक्षा की भावना का संचार करते हुए महिला थाना प्रभारी एसआई नीलम और दुर्गा शक्ति से एएसआई सुनीता ने कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने रीना राठी, सुमित्रा, बंटी, मधु, बबली, कमला, तन्नू, पुष्पा, मीनू, भतेरी, किरण, प्रेमलता, संतोष, मूर्ति, सुरेंद्र, कविता, दुर्गा, सुदेश, मंजू, पूजा, स्नेहा, रिया व नैना ने के साथ पौधारोपण भी किया। एडवोकेट गौरव राठी ने बताया कि पार्क में आधुनिक शौचालय की नींव भी रखी गई और महिलाओं की सुरक्षा के लिए पार्क में कैमरे भी लगाए जा रहे है। कार्यक्रम में झज्जर नंबरदार एसोसिएशन के चेयरमैन सतीश नंबरदार, चेयरपर्सन प्रतिनिधि रमेश राठी, अशोक शर्मा, राहुल राठी, संदीप मलिक, राहुल सैनी, गुल्लू सैनी भी मौजूद रहे।

झज्जर। तीज महोत्सव के दौरान पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

पारंपरिक वेशभूषा में झूला झूल कर मनाई तीज

झज्जर। सेक्टर-6 की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा रविवार को तीज महोत्सव मनाया गया। एसोसिएशन प्रधान अरुण नांदल ने बताया कि तीज महोत्सव में जहां लोगों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा करा कर तीज की बधाई दी वहीं बच्चों ने पार्क में लगाए गए झूलों का आनंद लिया। तीज कार्यक्रम के चलते सेक्टर परिसर में बड़ा झूला भी डाला गया जिस पर महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा के साथ झूला झूलते हुए तीज पर्व की रस्म निभाई। इस मौके पर पूर्व प्रधान जय सिंह पूनिया, देवेंद्र, नरेश धनखड़, नवीन यादव, अनिल पंघाल, आशीष कादियान, अशोक लांबा, बलराज धनखड़, दीपक देशवाल, दीपक जांगड़ा, ललित सैनी, मंजीत चाहर, नागेंद्र कुमार, डॉक्टर पुष्पेंद्र कादियान, राजेश मल्हान, रजनीश शर्मा, राकेश कुमार, संदीप गुलिया, विकास, विनोद धनखड़, वीरेंद्र भदानी, योगेश सिलानी, अनिल कुमार, ओमपाल गुलिया, सुरेंद्र, नीरज दलाल के अलावा महिलाओं में डॉक्टर स्मृति अहलावत, सोनम, रूचि मित्तल, डॉक्टर प्रियंका, राजमाला, अंजना, अनीता पंघाल, पूनम, अनीता, मोनी, गीता, सुशीला, शिखा गुप्ता, रीना, सरिता, सुलोचना, शकुंतला, सुमन, सीमा, ज्योति, राजंवती सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

संस्कारम स्कूल खातीवास में भव्य तीज महोत्सव आज

झज्जर। सोमवार को गांव खातीवास स्थित संस्कारम पब्लिक में जिला स्तरीय तीज महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा तीज उत्सव कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि तीज महोत्सव हरियाणा की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है, जो सामाजिक समरसता, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक धरोहर को मजबूती प्रदान करता है। महिलाएं विशेष रूप से इस त्यौहार को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाती हैं।

आस्था, उमंग व प्रेम का प्रतीक है हरियाली तीज : हेमंत

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में हरियाली तीज की पूर्वसंध्या पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में प्री-प्राइमरी कक्षाओं के नन्हें-मुन्ने विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य व झूला झूलकर हरियाली तीज मनाई। पहली से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने मेहंदी रचाओ, पोस्टर मेकिंग आदि के माध्यम से तीज का महत्व समझाया। विद्यालय प्राचार्य सतबीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की जबकि सचिव विशाल नेहरा एवं हेमंत गुलिया विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थित रहे। हेमंत गुलिया ने हरियाली तीज की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति में तीज पर्व को आगामी त्यौहारों का पदार्पण माना जाता है। इस त्यौहार के आने पर वातावरण हरा-भरा हो जाता है इसलिए इसे हरियाली तीज नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि आस्था, उमंग, सौंदर्य और प्रेम का प्रतीक तीज का त्यौहार हमें संदेश देता है कि प्रकृति को स्वच्छ व हरा-भरा बनाए रखें। कार्यक्रम में प्राइमरी विंग की छात्राएं हरियाणवीं वेशभूषा में शामिल हुईं।

झज्जर। हरियाणवी वेशभूषा में उपस्थित नन्हीं छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

SHRI BALAJI INSTITUTE OF PARA MEDICAL SCIENCE
सभी सरकारी सेवा में मान्य
- आंगनबाड़ी सुपरवाईजर / सहायक / कार्यकर्ता
- PHYSICIAN ASSISTANT
- MULTI PURPOSE HEALTH WORKER
- HEALTH SANITARY INSPECTOR
- AYURVEDIC PHARMACY (DAP)
- DENTAL HYGIENIST / MACHENIC
- C.M.S. & ED / FIRST AID
- MEDICAL LAB/ X-RAY TECH.
- OPRATION THEATORE TECH.
- OPTHALMIC ASSISTANT (DOA)
- COMMUNITY HEALTH/EMT
- FOOD SAFETY / VETERNARY INSPECTOR
- PLASTER, DRESSER, NTT, PT, CTT
- BAMS (ALT), BEMS (EH)
Dr. S.K. Saini (Director)
41/29, चाणक्य पुरी, शीला सिनेमा के पीछे, रोहतक-124001
9254233221